

DR. TEHEMTON ERACH UDWADIA

Dr. Tehemton Erach Udwadia is Emeritus Professor of Surgery at Sir J. J. Hospital and Grant Medical College, Chairman of the Center of Excellence for Minimal Access Surgery Training (CEMAST), Consultant Surgeon and Head of Department of Minimal Access Surgery (Laparoscopic Surgery) at Hinduja Hospital, Consultant Surgeon at Breach Candy Hospital and Parsee General Hospital, Mumbai. Over decades (1956- 2016), Dr. Udwadia has more than just seen the growth and spread of Indian surgery. He has actively scripted, influenced, moulded, elevated over these 60 years Indian Surgery to a level which today is comparable in stature to that in any part of the World. He is acknowledged by his peers as the Father of Laparoscopic Surgery and the doyen of Indian Surgeons.

2. Born on July15, 1934 Dr. Udwadia had his undergraduate and postgraduate education at the Seth G. S. Medical College and KEM Hospital, Mumbai. He secured his MBBS degree in 1956 and his M.S. in 1960 and FRCS (Eng.) and FRCS (Ed) in 1963. He had an excellent academic career gaining Scholarship and Medals in School and College. Further he represened his College in Cricket, Athletics, Boxing and Debate. A forceful, innovative, renowned surgeon and teacher, at his bedside clinics and lectures he taught more than just surgery. He impressed other qualities essential to make a complete surgeon - humility, empathy, leadership, decision making, ethical practice. His pride is that generations of his students today hold the highest positions in Hospitals in India and abroad as also attend to the poor and needy in rural India.

3. Dr. Udwadia was the first to introduce Laparoscopy into India in 1972 and in 1990, he was the first surgeon to introduce laparoscopic cholecystectomy not only in India but the entire Developing World. His true achievement went way beyond merely introducing laparoscopic surgery to India. With missionary zeal, he took laparoscopic surgery into small towns, rural and even tribal areas, throughout India, holding workshops to train surgeons. With less pain, short hospitalization and early return to work, the benefits of laparoscopic surgery were more dramatic and of greater practical benefit to the poor than the affluent. As Chairman, Center of Excellence for Minimal Access Surgery Training, he has with dogged determination created a state-of-the-art Training Center, one of the best in the world, which has already trained thousands of surgeons from every part of India and several other countries in Laparoscopic Surgery. This is the only Center in the World which trains in every speciality of Minimal Access Surgery.

4. Dr. Udwadia is the recipient of several Honors and Awards such as Hunterian Professor- Royal College of Surgeons (1984-1985), Surgikos Lecturer- Association of Surgeons of Great Britain and Ireland (1988), Pandalai Oration- Association of Surgeons of India (1988), Dr. B. C. Roy National Award (2000), Padma Shri (2006), Order of the British Empire (OBE)- (2006), Honorary Fellowship American College of Surgeons (2010), to name a few. He has been President - Association of Surgeons of India (1988), Founder President- Indian Association of Gastrointestinal Endo-Surgeons (1993), International College of Surgeons- World Body (1994), Endoscopic and Laparoscopic Surgeons of Asia (1996), International Federation of Societies of Endoscopic Surgeons (2004). Academic - Visiting Professor and Examiner to several Universities, Colleges, Boards in India and Abroad. Publications Editor-in-Chief — Journal of Minimal Access Surgery since 2004, Past Editor — Indian Journal of Surgery, and Editorial Board several National and International Journals. Author of two land-mark Books on Laparoscopic Surgery, Contributing Author of 32 Books on Surgery, 98 Journal Publications. Lifetime Achievement Award by Indian Association of Gastrointestinal Endoscopic Surgeons (1996), Association of Surgeons of India (2010), Society of American Gastrointestinal Endoscopic Surgeons (2013). Conferred Honorary Fellowship - Japan Section, International College of Surgeons, College of Surgeons of Brazil, Indian Association of Gynecological Endoscopy, International College of Surgeons, Association of Rural Surgeons of India, The German Society of Visceral (Abdominal) Surgery, The American College of Surgeons, Nepal College of Surgeons, and Society of Endoscopic and Laparoscopic Surgeons of Asia.



डॉ टेहेम्टन एरच उडवाडिया

डॉ. टेहेम्टन एरच उडवाडिया, सर जे.जे. हॉस्पिटल एवं ग्रांट मेडिकल कॉलेज में सर्जरी के प्रतिष्ठित प्रोफेसर, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर मिनीमल एक्सेस सर्जरी ट्रेनिंग (सीईएमएएसटी) के अध्यक्ष, हिन्दुजा हॉस्पिटल में कंसल्टेंट सर्जन और नामीनल एक्सेस सर्जरी (लेपेरोस्पिक सर्जरी) के विभागाध्यक्ष, ब्रीच केंडी हॉस्पिटल और पारसी जनरल हॉस्पिटल, मुम्बई में कंसल्टेंट सर्जन हैं। आपने दशकों से भारत में सर्जरी के क्षेत्र में बढ़-चढ़कर कार्य किया है। आपने पिछले 60 वर्षों में भारतीय सर्जरी को सक्रिय रूप से उस मुकाम तक पहुंचाया है जहां इसकी तुलना विश्व के किसी भी भाग में सर्जरी के क्षेत्र में हुए काम से की जा सकती है। आपके समकक्षों द्वारा आपको लेपेरोस्कॉपी सर्जरी का जनक तथा भारतीय सर्जनों में वरिष्ठ सदस्य के रूप में माना जाता है।

2. आपका जन्म 15 जुलाई, 1934 को हुआ था। आपने अन्डर ग्रेज्यूएट तथा पोस्ट ग्रेज्यूएट की शिक्षा सेठ जी. एस. मेडिकल कॉलेज और केईएम हॉस्पिटल, मुम्बई से प्राप्त की। आपने अपनी एमबीबीएस की डिग्री 1956 में और अपनी एम.एस. की डिग्री 1960 में और एफआरसीएस (इन्जी.) तथा एफआरसीएस (ईएड) की डिग्री 1963 में प्राप्त की। स्कूल और कॉलेज में आपका शैक्षिक कैरियर शानदान रहा जिसके लिए आपको स्कॉलरशिप और पदक प्रदान किए। इसके अतिरिक्त, आपने क्रिकेट, एथलेटिक्स, बॉक्सिंग और डिबेट में आपने कॉलेज का प्रतिनिधित्व किया। एक प्रबल, अभिनवकारी ख्याति प्राप्त सर्जन और शिक्षक के रूप में अपने बेडसाइड क्लीनिकों और व्याख्यानों के साथ-साथ आपने सर्जरी के अलावा और भी बहुत कुछ सिखाया। आपके अंदर मानवता, परानुभूति, नेतृत्व, निर्णयकारी, नीतिपरक जैसे और भी बहुत ऐसे गुण थे जो एक पूर्ण सर्जन बनाने के लिए आवश्यक हैं। आपके लिए यह गर्व की बात है कि आपके अनेक छात्र आज भारत और विदेशों में उच्चतम पदों पर आसीन हैं तथा भारत के गांवों में गरीब और जरूरतमंद लोगों की भी इलाज करते हैं।

3. आप 1972 में भारत में लेपेरोस्कॉपिक के क्षेत्र में कार्य शुरू करने वाले पहले व्यक्ति थे और 1990 में आप न केवल भारत में बल्कि समूचे विकासशील विश्व में लेपेरोस्कॉपिक कॉलेसिक्टेक्टोमी की शुरूआत करने वाले पहले सर्जन थे। मात्र भारत में लेपेरोस्कॉपिक सर्जरी शुरू करना ही आपकी उपलब्धियां नहीं थी। आपने अपने साहस से सर्जरी को संपूर्ण भारत के छोटे कस्बों, ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों तक पहुंचाया और सर्जनों को प्रशिक्षित करने के लिए कार्यशालाएँ आयोजित कीं। लेपेरोस्कॉपिक सर्जरी के कम पीड़ा, अस्पताल में भर्ती रहने की कम अवधि और काम पर शीघ्र लौटने जैसे बड़े लाभ हुए तथा यह समृद्ध लोगों की तुलना में निर्धन लोगों के लिए अधिक लाभकारी साबित हुई। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर मिनीमल एक्सेज सर्जरी ट्रेनिंग के अध्यक्ष के रूप में आपने अपने दृढ़ निश्चय से एक अत्याधुनिक प्रशिक्षण केन्द्र का निर्माण किया जो विश्व के सर्वोत्तम केन्द्रों में से एक है तथा जिसमें भारत के हर भाग के तथा अन्य अनेक देशों के हजारों सर्जनों को पहले ही लेपेरोस्कॉपिक सर्जरी में प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। यह विश्व में एक मात्र ऐसा केन्द्र है जो मिनीमल एक्सेज सर्जरी के प्रत्येक विशेष विषय में प्रशिक्षण प्रदान करता है।

4. आपको अनेक सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, जिनमें से इन्टेरियन प्रोफेसर रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन (1984-1985), सर्जिकल लेक्चरर एसोसिएशन ऑफ सर्जन्श ऑफ ग्रेट ब्रिटेन एण्ड आयरलैंड (1988), पंडालाई ऑरेशन-एसोसिएशन ऑफ सर्जन्श ऑफ इंडिया (1988), डॉ. बी सी राय नेशनल अवार्ड (2000), पदम श्री (2006), ऑर्डर ऑफ द ब्रिट्रिश एम्पायर (ओबीई)- (2006), ऑनरेरी फेलोशिप अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्श (2010) आदि कुछेक प्रमुख हैं। आप अध्यक्ष - एसोशिएयन ऑफ सर्जन्श ऑफ इंडिया (1988), संस्थापक अध्यक्ष – इंडियन एसोसिएशन ऑफ गेस्ट्रॉइन्टेस्टीनल एन्डो सर्जन्श (1993), इन्टरनेशनल कॉलेज आफ सर्जन्श वर्ल्ड बॉडी (1994), एन्डॉस्कॉपिक एण्ड लेपेरोस्कॉपिक सर्जन्श ऑफ एशिया (1996), इन्टरनेशनल फेडरेशन ऑफ सोसायटीज ऑफ एन्डोस्कॉपिक सर्जन्श (2004) भी रहे हैं। आप भारत में तथा विदेशों में अनेक विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, बोर्ड के शैक्षणिक – अतिथि प्रोफेसर तथा परीक्षक रहे हैं। आप इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी के सम्पादक रहे हैं। आप अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं के सम्पादकीय बोर्ड में शामिल रहे हैं। आपने लेपेरोस्कॉपिक सर्जरी पर दो प्रसिद्ध पुस्तकें लिखी हैं तथा सर्जरी पर 32 पुस्तकों, 98 पत्र पत्रिकाओं के लेखन में सहयोग किया है। आपको इंडियन एसोसिएशन ऑफ गेस्ट्रॉइन्टेस्टीनल एन्डोस्कॉपिक सर्जन्श (1996), एसोशिएशन ऑफ सर्जन्श ऑफ इंडिया (2010), सोसायटी ऑफ अमेरिकन गेस्ट्रोइन्टेस्टीनल एण्डोस्कोपिक सर्जन (2013) द्वारा अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया। आपको जापान सेक्शन इन्टरनेशनल कॉलेज ऑफ सर्जन्श, कॉलेज ऑफ सर्जन्श ऑफ ब्राजील, इंडियन एसोसिएशन ऑफ गायनेकोलोजीकल एन्डोस्कॉपी इन्टरनेशनल कॉलेज ऑफ सर्जन्श, एसोसिएशन ऑफ रूरल सर्जन्श ऑफ इंडिया, द जर्मन सोसाइटी ऑफ विसरल (एब्डोमिनल) सर्जरी, द अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्श, नेपाल कॉलेज ऑफ सर्जन्श तथा सोसायटी ऑफ एन्डोस्कॉपिक एंड लेपेरोस्कॉपिक सर्जन्श ऑफ एशिया द्वारा ऑनरेरी फेलोशिप प्रदान की गई।